

वन्यजीव तस्करी एवं संगठित अपराध का संबंध, WJC रपिर्त

प्रलिस के लयि:

[मनी लॉन्डरगि और अवैध वन्यजीव व्यापार](#), [अवैध रेत खनन](#), [संगठित अपराध](#), [पैंगोलनि](#), [गँडे का अवैध शकार](#)

मेन्स के लयि:

संगठित अपराध और वन्यजीव तस्करी, रेत खनन, वन्यजीव संरक्षण

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

संगठित अपराध से नपिटने हेतु समर्पति एक गैर-लाभकारी संगठन, **वन्यजीव न्याय आयोग (Wildlife Justice Commission- WJC)** ने एक नई रपिर्त जारी की है, **जसिका शीर्षक है संगठित अपराध के अन्य रूपों के साथ वन्यजीव अपराध का अभसरण: 2023 की समीक्षा (Convergence of Wildlife Crime with Other Forms of Organised Crime: A 2023 Review)**।

- यह वर्ष 2021 में प्रकाशति पहली रपिर्त की अनुवर्ती है, जसिमें [वन्यजीव तस्करी](#) को [मानव तस्करी](#), [धोखाधड़ी](#), [प्रवासी तस्करी](#), [अवैध दवाओं](#), [भ्रष्टाचार](#) एवं [मनी लॉन्डरगि](#) से जोड़ने वाले 12 केस अध्ययनों का उल्लेख कयि गया है।
- इस रपिर्त में पहली बार [अवैध रेत खनन](#) के पर्यावरणीय अपराध का भी वर्णन कयि गया है।

रपिर्त के मुख्य बडि:

- वन्यजीव अपराध और संगठित अपराध में वृद्धि:**
 - रपिर्त [वन्यजीव तस्करी](#) और [संगठित अपराध](#) के वभिन्न रूपों के बीच मज़बूत संबंधों को उजागर करती है।
 - इन कनेक्शनों में संरक्षण रैकेट, ज़बरन वसूली, हत्या, मनी लॉन्डरगि, अवैध ड्रग्स, कर अपवंचन और भ्रष्टाचार शामिल हैं।
- अवैध रेत खनन:**
 - पहली बार रपिर्त [अवैध रेत खनन](#) को एक पर्यावरणीय अपराध के रूप में पहचानती है।
 - रेत, एक कच्चा माल तथा [वशिव में दूसरा सबसे अधिक उपयोग कयि जाने वाला संसाधन](#) है जसिका उपयोग कंक्रीट, डामर एवं काँच बनाने के लयि कयि जाता है।
 - प्रत्येक वर्ष लगभग 40-50 बलियिन टन रेत संसाधनों का दोहन कयि जाता है, लेकनि उनके नषिकर्षण का प्रबंधन कई देशों में अनुपयुक्त तरीके से नयितरति और प्रबंधति होता है।
 - रपिर्त [अनयिमति रेत नषिकर्षण](#) के प्रतकूल प्रभावों पर प्रकाश डालती है, जो वशिव स्तर पर एक महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है।
 - रेत खनन का पर्यावरणीय प्रभाव:**
 - अंधाधुंध रेत खनन से [कषरण](#) होता है, जसिसे [समुदायों](#) और [उनकी आजीविका](#) पर नकारात्मक रूप से प्रभाव पड़ता है।
 - इसके कारण जलभूतों, तूफान से संरक्षण, डेल्टा, मीठे जल और समुद्री मत्स्यपालन, भूमिउपयोग तथा जैवविविधता पर गंभीर परणाम देखे जाते हैं।
 - हसिक रेत माफियाओं की संलपितता:**
 - रपिर्त इस बात पर भी बल देती है कि अवैध रेत-खनन कार्य प्रायः [हसिक रेत माफियाओं](#) द्वारा संचालति कयि जाते हैं।
 - रपिर्त में उदाहरण के तौर पर उन व्यक्तियों की भी पहचान की गई है, जो [अवैध रेत खनन का वरिध करने के कारण मारे गए](#), जनिमें [पत्रकार](#), [कार्यकर्त्ता](#) और [सरकारी अधिकारी](#) भी शामिल हैं।
 - इस तरह की घटनाएँ न केवल भारत में बल्कि [इंडोनेशया](#), [केन्या](#), [गाम्बिया](#), [दक्षणि अफ्रीका](#) और [मैक्सिको](#) सहति अन्य देशों में भी दर्ज की गईं।
- मामले का अध्ययन:**

- वर्ष 2021 के 12 मामलों के अध्ययन के अलावा रपिर्ट में दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और मध्य अमेरिका से तीन मामलों को दर्ज किया गया है।
 - पहले मामले के अध्ययन में दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में **पैंगोलिन शलक**, अवैध रेत खनन, सुरक्षा रैकेट एवं **गजदंत (हाथी दाँत)** जैसी वस्तुओं के अपयोजन को दर्शाया गया है।
 - अफ्रीका के दूसरे मामले में **भ्रष्टाचार, गैडे का अवैध शिकार** और **मनी लॉन्ड्रिंग** के बीच अंतरनिहित अभिसरण शामिल था।
 - मध्य अमेरिका के तीसरे अध्ययन में **नशीली दवाओं की तस्करी के नेटवर्क** और **समुद्री खीरा/ सी-कुकुमबर** तथा **शार्क से जुड़े समुद्री भोजन व्यवसायों** के बीच लेन-देन संबंधी अभिसरण पाया गया, जो अवैध दवाओं की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, कर अपवंचन और भ्रष्टाचार से गहनता से जुड़ा हुआ है।
- **कानून प्रवर्तन और नीति निर्माताओं का मार्गदर्शन:**
 - यह रपिर्ट **वन्यजीवों की तस्करी की बढ़ती गंभीरता** पर प्रकाश डालती है, साथ ही गंभीर आपराधिक गतिविधियों से निपटने में महत्त्वपूर्ण हो सकती है।
 - सामान्य तौर पर संगठित अपराध एवं वन्यजीव अपराध से प्रभावी ढंग से निपटने के लिये अपराध अभिसरण पर अच्छी तरह से शोध किया जाना चाहिये और इसे रणनीति में शामिल किया जाना चाहिये।
 - रपिर्ट का उद्देश्य टाइपोलॉजी एवं रणनीतियों प्रदान करना है ताकि अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के प्रयासों में कानून प्रवर्तन और नीति निर्माताओं को मदद मिल सके।

संगठित अपराध:

- **परिचय:**
 - संगठित अपराध गतिविधियाँ **आर्थिक या अन्य लाभ प्राप्त करने के इरादे से किसी गरीब या सड़किकेट के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से या अलग-अलग किये गए कार्यों** को संदर्भित करती हैं।
- **संगठित अपराध के प्रकार:**
 - संगठित गरीबों की आपराधिकता, रैकेटियरिंग, सड़किकेट अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध, मानव तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, हिसा, लोगों की तस्करी, ज़बरन वसूली, जालसाज़ी।
 - ये कानून प्रवर्तन और वनियमों में कमियों का फायदा उठाकर गुप्त रूप से काम करते हैं।
- **संगठित अपराध पर भारत में वैधानिक स्थिति:**
 - भारत में राष्ट्रीय स्तर पर संगठित अपराध से निपटने के लिये कोई विशिष्ट कानून नहीं है। मौजूदा कानून, जैसे **करीबट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980** एवं **स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985** अपर्याप्त हैं क्योंकि वे **व्यक्तियों को लक्षित करते हैं, न कि आपराधिक समूहों या उद्यमों को**।
 - **गुजरात** (गुजरात संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 2015), **कर्नाटक** (कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 2000) और **उत्तर प्रदेश** (उत्तर प्रदेश संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 2017) जैसे राज्यों ने संगठित अपराध से निपटने के लिये अपने कानून बनाए हैं।
 - इसके अतिरिक्त भारत कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संधियों का हस्ताक्षरकर्ता है, जैसे:
 - **अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के वरिद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNTOC)**
 - **भ्रष्टाचार के वरिद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCAC)**
 - **ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC)**

मेन्स वैल्यू एडीशन: वन्यजीव अपराध से निपटने में **हमिमता राम भंभु** का योगदान।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. वाणज्य में प्राणजात और वनस्पत-जात के व्यापार-संबंधी विश्लेषण (ट्रेड रलिटेट एनालिसिस ऑफ फौना एंड फ्लौरा इन कॉमर्स/TRAFFIC) के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2017)

1. TRAFFIC, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अंतर्गत एक ब्यूरो है।
2. TRAFFIC का मशिन यह सुनिश्चित करना है कविन्य पादपों और जंतुओं के व्यापार से प्रकृति के संरक्षण को खतरा न हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वाणजिय में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का व्यापार संबंधी वशिलेषण (ट्रैफिकि), वन्यजीव व्यापार नगिरानी नेटवर्क, वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) और आईयूसीएन - इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर का एक संयुक्त कार्यक्रम है। इसकी स्थापना 1976 में हुई थी। यह यू.एन.ई.पी. के तहत कार्यरत एक ब्यूरो नहीं है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- TRAFFIC यह सुनिश्चित करने के लिये कार्य करता है कि जंगली पौधों और जानवरों का व्यापार प्रकृति के संरक्षण के लिये खतरा नहीं है। **अतः कथन 2 सही है।**
- TRAFFIC बाघ के अंगों, हाथी दाँत और गैंडे के सींग जैसे नवीनतम विश्व स्तर पर ज़रूरी प्रजातियों के व्यापार के मुद्दों पर संसाधनों, वशिषज्जता एवं जागरूकता का लाभ उठाने पर केंद्रित है। लकड़ी और मत्स्यपालन उत्पादों जैसी वस्तुओं में बड़े पैमाने पर वाणजियकि व्यापार को भी संबोधित किया जाता है तथा तेज़ी से परणाम वकिसति करने एवं नीतगित सुधार के कार्य से जोड़ा जाता है। **इसलिये विकल्प (b) सही उत्तर है।**

??????:

प्रश्न. तटीय बालू खनन, चाहे वैध हो अथवा अवैध, हमारे पर्यावरण के सामने सबसे बड़े खतरों में से एक है। भारतीय तटों पर हो रहे बालू खनन के प्रभाव का वशिषिट उदाहरणों का हवाला देते हुए वशिलेषण कीजिये। (2019)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/wjc-report-links-wildlife-trafficking-to-organized-crime>

